



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

2/8/85

मं० 39] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 29, 1984 (आश्विन 7, 1906)
No. 39] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 29, 1984 (ASVINA 7, 1906)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	715
भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	1179
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	—
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	1557
भाग II—खंड I—आवृत्तियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खंड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खंड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के विन तथा रिपोर्ट	*
भाग II—खंड 3—खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	2499
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं	2847
भाग II—खंड 3—उप-खंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)	189
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांख्यिक नियम और आदेश	329
भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महाभेदा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासकों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधोनस्थ कार्यालयों पर जारी की गई अधिसूचनाएं	21093
भाग III—खंड 2—पेंशन कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	807
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	189
भाग III—खंड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	2669
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	151
भाग V—अपेक्षी और द्वितीय दोनों में कम की दर मूल्य आंकड़ों को दिखाने वाला अनुपूरक	*

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

CONTENTS

	PAGES		PAGES
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	715	PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	189
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	1179	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	329
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	21093
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	1557	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	807
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	159
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	2669
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	151
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	2499	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc, both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	2847		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की

विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली दिनांक 18 सितम्बर 1984

सं० 100-प्रेज/84—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक सर्व प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री मंगल सिंह तोमर,

पुलिस उप-अधीक्षक,

जालौन (उ०प्र०)।

श्री करणवीर सिंह,

पुलिस उप-निरीक्षक,

बाना रामपुर,

जालौन (उ०प्र०)।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

17 मई, 1980, को श्री करणवीर सिंह, पुलिस उप-निरीक्षक, श्री मंगल सिंह तोमर, पुलिस उप-अधीक्षक, जो रामपुर में पढ़ाव वाले हुए थे, सूचित किया कि पास के गाँव में बकैती बालने के द्वारा से जगन्मानपुर में कुख्यात गिरोह के नेता माधोसिंह और भरत एकत्र हुए थे। श्री तोमर ने पी०ए०सी० संसे उपलब्ध बल को एकत्र किया और इसकी तीन बलों में विभाजित कर दिया। उन्होंने गोलाबारी करने वाले मुख्य बल का नेतृत्व किया जिसकी सहायता श्री करणवीर सिंह ने की। अन्य दो बलों का नेतृत्व सहायक उप-निरीक्षकों द्वारा किया गया। इन बलों ने पश्ताबा और जगन्मानपुर के बीच उपयुक्त स्थानों पर घात लगाई और बाकुओं के गिरोह के घाने की प्रतीक्षा करने लगे।

गिरोह 00.30 बजे पहुँचा। श्री तोमर ने बाकुओं को घातमसमर्पण करने के लिए ललकारा, परन्तु उन्होंने जवाब में भारी गोलीबारी की। पुलिस बल भी घातम रक्षा में गोलाबारी करने लगा। पुलिस की भारी और निरन्तर गोलीबारी के फलस्वरूप दो बाकुओं को ऊँच स्थान की तरफ भागते हुए देखा गया जो वहाँ से पुलिस को निशाना बनाना चाहते थे। श्री तोमर और श्री करणवीर सिंह ने उन पर तत्काल गोली चलाई जिसके परिणाम स्वरूप दो बाकुओं की गोली लगने के कारण घटनास्थल पर मृत्यु हो गई। दोनों बाकुओं के शवों की वाद में कुश्मात बाकू माधो सिंह और भरत के रूप में पहचान की गई।

इस प्रकार श्री मंगल सिंह तोमर, पुलिस उप-अधीक्षक, और श्री करणवीर सिंह, पुलिस उप-निरीक्षक, ने उत्कृष्ट बीरता, अनुकरणीय साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत पता भी दिनांक 17 मई, 1980 से दिया जाएगा।

सं० 101-प्रेज/84—राष्ट्रपति ताम्रालङ्क पुनि के निम्नांकित अधिकारी को उनकी बीरता के लिए पुनि पदक सर्व प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री स्वाधो लोथा,

निरीक्षक,

बाना धीमापुर,

कोहिमा।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

18 अक्टूबर, 1982, को रात्रि के लगभग 9.30 बजे श्री स्वाधो लोथा, निरीक्षक, को सूचना मिली कि अमिपुम केपीलेसी ग्रामो ने धीमापुर सब-डिवीजन के अन्तर्गत मुनाइटेड गाँव में शरण ले रखी है। अपराधी तब से पुलिस को गिरफ्तारी से बच रहा था, जब से उनके 14 अक्टूबर, 1982, को कोहिमा कस्बे में एक घोरत के गोली मारी थी जिसकी वाद में मृत्यु हो गई। निरीक्षक लोथा ने तुरन्त एक पुलिस बल गठित किया, जिनमें एक उप-निरीक्षक, एक नुशाह उप-निरीक्षक, एक हवलदार और घात कॉस्टेबल थे और रात्रि के 11.30 बजे वहाँ पहुँचा।

निरीक्षक लोथा उन महान को बेटी के गाँव में अनिष्टा द्वारा हुमा था, स्वयं बरबाद पर गये और महान के अन्दर रहने वालों को बरबाद बोलने का आदेश दिया। इन पर सर्व अनिष्टा ग्रामो ने बरबाद छोला और निरीक्षक लोथा को छाती को निशाना बनाकर दो फीट की दूरी से रिवाल्वर से गोली चलाई। परन्तु निरीक्षक लोथा बच गये क्योंकि रिवाल्वर नहीं चला। इन पर 6 अक्टूबर को हुमा पर एक भरा हुमा रिवाल्वर लिये हुए था जो उनके निरीक्षक लोथा पर बहुत ही निकट से निशाना मारा, परन्तु यह निशाना किसी हिक व पूरे साहस के साथ अपराधी पर चढ़े और तब जोरा की शूटिंग में उनको उसके साथ संघर्ष किया। तब के दोरा इन द्वारा ने निरीक्षक लोथा के सिर को निशाना बनाकर एक बार पुनः गोली चलाई। इन बार रिवाल्वर से गोली चन गई और गोली उनके बाँतों को छूती हुई उनकी बैरेट केप से निकल गई किन्तु सौभाग्यवश उनकी छाती में नहीं लगी। निरीक्षक लोथा ने दूसरी बार गोली का शर होने के बावजूब हमलावर को नहीं छोड़ा और उसके साथ झुकाई और संघर्ष करते रहे। जब तक अन्य पुनि अधिकारी उनको नुशाह के विर धाने तब तक वे अपराधी को निरन्तर कर चुके थे और उनको निराश कर लिया था।

इस मुठभेड़ में श्री स्वाधो लोथा, निरीक्षक, ने उत्कृष्ट बीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत पता भी दिनांक 18 अक्टूबर, 1982, से दिया जाएगा।

सं० 102-प्रेष/84—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के विभाजित अधिकारी
की उसकी बीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करने हैं।—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अशोक कुमार सिन्हा,
पुलिस उप-निरीक्षक,
बेनारी (बिहार)।

सेवाओं का विवरण जिन के लिए पदक प्रदान किया गया

3 दिसम्बर, 1980, को मध्य रात्रि में श्री अशोक कुमार सिन्हा, पुलिस उप-निरीक्षक, बेनारी, बिहार, को ननबू शर्मा और मोहन सिन्हा के कुख्यात गिरोह के गांव भुरकुरा में इकैती आने के लिए एकत्र होने के बारे में सूचना प्राप्त हुई। श्री सिन्हा ने तुरन्त उपलब्ध सशस्त्र बल एकत्र किया जिसमें 22 पुलिस कामिक थे। उन्होंने एक मिनी बस को किराये पर लिया जिसमें वे बेनारी के गांव उगाहनी तक गए। उसके पश्चात् वे भुरकुरा तक पैदल गए जो पड़ाबी को छोटी पर है। यह पुलिस दल बहा 4 दिसम्बर, 1980, को प्रातः 3 30 बजे पहुंचा।

श्री अशोक कुमार सिन्हा ने पुलिस दल को दो दलों में विभाजित किया। दो सहायक उप-निरीक्षकों ने पहले दल का नेतृत्व किया और दूसरे दल का श्री सिन्हा ने स्वयं नेतृत्व किया। पहले दल को इन अतृप्तों के साथ कि वे अपराधियों का पता लगाए और उनको गिरफ्तार करें, गांव के उत्तरी पश्चिमी छोर पर तैनात किया गया। श्री सिन्हा अपने दल को गांव के दक्षिणी-पूर्वी छोर पर ले गए। पुलिस दल के पहुंचने का आभास होने पर अपराधियों ने उन पर दो एल०जी० शॉट दागे। अपने जीवन की परवाह न करते हुए श्री सिन्हा ने अपराधियों को ललकारा और अपने जबानों से अपराधियों पर हमला करने के लिए निदेश दिया। पुलिस दल और अपराधियों के बीच लगभग 30 मिनट गोली-बारी हुई। यह मामूली होने पर कि अपराधी जान की बाजी लगा कर पुलिस दल के साथ इस लड़ाई को लड़ना चाहते थे, श्री सिन्हा ने अपने दल का साहसपूर्ण नेतृत्व करते हुए भारी और कारगर ढंग से गोली बारी करने का आदेश दिया जिसके परिणाम स्वरूप तीन अपराधियों की मृत्यु हो गई। कुछ आकृ धायन भी हो गए थे जो वन की जंगल में भाग गए। शेषों के पास 28 चले हुए कारतूसों और 19 जिता चले कारतूसों सहित दो बमूकों और एक देशी पिस्तौल पाई गई। इस प्रकार अपराधियों का पूरा गिरोह समाप्त हो गया।

इस मूठभेड़ में, श्री अशोक कुमार सिन्हा, उप-निरीक्षक, ने उत्कृष्ट बीरता, साहस, नेतृत्व और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत पता भी दिनांक 3 दिसम्बर, 1980, से दिया जाएगा।

सु० मीलकण्ठन, राष्ट्रपति का उप सचिव

योजना आयोग

नई दिल्ली-110001 दिनांक 25 अगस्त 1984

सकल्य

सं० ई०-11015/17/83-हिन्दी—योजना मंत्रालय के दिनांक 19-12-80 के सकल्य संख्या ई०-11015/3/80-हिन्दी, जिसका समय-समय पर संशोधन किया गया, का अधिकरण करते हुए भारत सरकार ने योजना मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय किया है। इस समिति का गठन और कार्य इस प्रकार होंगे :—

गठन

1. योजना मंत्री अध्यक्ष
2. श्री चन्द्र भानु अधिकारी पाटिल सदस्य
3. श्री बी० के० नायर सदस्य

राज्य सभा के दो संसद सदस्य

4. श्री के० पी० पुरुषोत्तम सदस्य

5. श्री सूरज प्रसाद सदस्य

संसदीय राजभाषा समिति के दो संसद सदस्य

6. } नामित किए जाने ह

7. } सदस्य

संस्थाओं द्वारा के प्रतिनिधि

8. अध्यक्ष, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, नई दिल्ली।
9. श्रीमती शांता बहल मकवाना सदस्य, गुजरात विधान सभा, "द्वारकेश", 12-ई मंत कुंज सोमापटी, पालडी, अहमदाबाद-380007 गुजरात।
10. श्री कृष्ण बल, हिन्दी लेखक, 1-8-700/6, पद्मनगर नाका कुटा, हैदराबाद।
11. श्री गंगा शरण सिंह, अध्यक्ष, ग्रामिण भारतीय हिन्दी संस्था संव, दिल्ली।
12. डा० धर्मवीर भारती, सम्पादक, धर्मयुग, टाइम्स प्राक इंडिया, बी० टी, बम्बई।
13. श्री आनन्द जैन, संपादक, सन्ध्य टाइम्स, 7, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।
14. डा० महावीर अधिकारी, करीम मनाहर, तूतरी मंजिल, आंबेडकर रोड, कामदेवी, बम्बई।
15. श्री शिव कुमार बरस, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन।
16. श्री युगल किशोर जयवर्दी, कार्यकारी अध्यक्ष, राजस्थान हिन्दी साहित्य सम्मेलन, जयपुर।
17. श्री भगवती शरण सिंह, प्रकाश प्राप्त शिक्षा मंत्रि और लेखक, बी-22, सेक्टर-ए, महानगर, लखनऊ।
18. श्री मुकुल चन्द्र पाण्डेय, महासचिव, हिन्दी व्यवहार संगठन, 10/2, त्रिवेणी नगर, लखनऊ,।
19. श्री राम सहाय पांडे, 141, जयराज हाऊस, कोलाबा, बम्बई-5।

अधिकारी गण	
20. सचिव, योजना आयोग	सदस्य
21. सचिव, सांख्यिकी विभाग	सदस्य
22. सचिव, राजभाषा विभाग और भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार	सदस्य
23. सलाहकार (प्रशासन) योजना आयोग	सदस्य
24. सलाहकार (योजना समन्वय) योजना आयोग	सदस्य
25. महा निदेशक, केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन	सदस्य
26. संयुक्त सचिव (राज्य योजना), योजना आयोग	सदस्य
27. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन	सदस्य
28. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग	सदस्य
29. निदेशक (प्रशासन), योजना आयोग	सदस्य
30. वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, योजना आयोग	सदस्य-सचिव

2. समिति के कार्य

यह समिति योजना मंत्रालय के कामकाज में हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग से संबंधित मामलों और संबद्ध विषयों में सलाह देगी।

3. कार्यकाल

समिति के सदस्यों का कार्यकाल सामान्य रूप से समिति के गठन की तारीख से, निम्नलिखित बातों के अधीन, तीन वर्ष होगा :—

- (क) जो संसद सदस्य समिति के सदस्य हों, वे संसद सदस्य न रहने पर इस समिति के सदस्य नहीं रह सकेंगे।
- (ख) समिति के पदेन सदस्य अपने पद पर कार्य करने रहने तक समिति के सदस्य रहेंगे।
- (ग) यदि किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने के कारण अथवा समिति की सदस्यता से त्यागपत्र दे देने के कारण स्थान खाली होता है, तो उस स्थान पर नियुक्त सदस्य तीन वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही सदस्य रहेगा।

4. सामान्य

(1) समिति अतिरिक्त सदस्यों का भी नहुयाजित-सदस्यों के रूप में नामित कर सकती है और समय-समय पर आवश्यकतानुसार अपनी बैठकों में विशेषज्ञों को भी आमंत्रित कर सकती है।

(2) समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा किन्तु समिति अपनी आवश्यकता पड़ने पर किसी अन्य स्थान पर भी कर सकती है।

5. यात्रा-मसा तथा अन्य भत्ते

गैर-सरकारी सदस्यों को समिति की बैठकों में समय-समय पर भाग लेने, लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निश्चित तौर पर यात्रा तथा भौतिक भत्ते दिए जाएंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति समिति के सभी सदस्यों, सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत् प्रशासनों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, र. सभा सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा रीक्षक, और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० सी० अग्रवाल,
निदेशक (प्रशासन)

संसदीय कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1984

संकल्प

सं० फा० 2(2)/84-हिन्दी—संसदीय कार्य विभाग के यमसंबंधक संकल्प दिनांक 18 मई, 1984 के क्रम में, भारत सरकार एतद् द्वारा श्री मुकुल चन्द पाण्डेय, 2/10, त्रिवेणीनगर, सीतापुर रोड, लखनऊ (226020) को संसदीय कार्य विभाग की हिन्दी सलाहकार समिति पर गैर-सरकारी सदस्य के रूप में नामित करती है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों और संघीय क्षेत्रों के प्रशासकों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, संसदीय राजभाषा समिति, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक और मंत्रिमण्डल कार्य विभाग का वेतन तथा लेखा कार्यालय, नई दिल्ली को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को जन साधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए।

देव राज तिवारी,
उप सचिव

शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1984

संकल्प

सं० एफ० 6-22/84-यू०-3—मंत्रालय के संकल्प संख्या एफ० 6-17/82-यू० 3 दिनांक 4 मई, 1984 के अनुसरण में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, की सोसायटी को, सोसायटी के नियमों और विनियमों के नियम 3 के अनुसार, पुनर्गठित करने का निर्णय किया गया है। सामान्यतः का गठन इस प्रकार होगा :—

3(क) संस्थागत सदस्य (पदेन)

- (1) शिक्षा सचिव
- (2) व्यव सचिव
- (3) उच्च शिक्षा के प्रभारी विशेष सचिव
- (4) अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
- (5) महानिदेशक, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद
- (6) अध्यक्ष, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
- (7) अध्यक्ष, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद
- (8) अध्यक्ष, भारतीय वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद
- (9) अध्यक्ष, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
- (10) अध्यक्ष, साहित्य अकादमी
- (11) अध्यक्ष, संगीत नाटक अकादमी
- (12) अध्यक्ष, ललित कला अकादमी
- (13) अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी
- (14) भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद का एक उपाध्यक्ष
- (15) अध्यक्ष, भारतीय विश्वविद्यालय संघ
- (16) निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तकालय
- (17) निदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार

3(ब) मनोनीत सदस्य

(i) केन्द्र सरकार द्वारा मनोनीत भारतीय विश्वविद्यालयों के उच्च कुलपति

- (1) प्रोफेसर भार० एस० मिश्र,
कुलपति,
लखनऊ विश्वविद्यालय,
लखनऊ-226007।
- (2) डा० जी० पी० सिन्हा,
कुलपति,
पटना विश्वविद्यालय,
पटना-800005।
- (3) प्रोफेसर जी० राम रेड्डी,
कुलपति,
ग्राम्प्रादेश ओपन विश्वविद्यालय,
हैदराबाद-500004 (ग्रा० प्र०)।
- (4) डा० रमेश मोहन,
निदेशक,
केन्द्रीय अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा संस्थान,
हैदराबाद-50007।

(5) रिक्त

(6) रिक्त

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत 18-24 शिक्षाविद

- (1) प्रोफेसर गौतम माधुर,
निदेशक,
प्रयुक्त जन शक्ति अनुसंधान संस्थान,
इन्टरस्टेड,
नई दिल्ली-110002।
- (2) डा० (श्रीमती) मार्गरेट जटर्जी,
प्रोफेसर दर्शन शास्त्र,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली-110007।
- (3) प्रोफेसर रविन्द्र कुमार,
निदेशक,
नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय,
तीन मूर्ति भवन,
नई दिल्ली-110011।
- (4) प्रोफेसर क० सच्चिदानन्द मूर्ति,
प्रोफेसर दर्शन शास्त्र,
ग्राम्प्रादेश विश्वविद्यालय "ग्राम्प्रादेश काटोज,
वाल्तेयर,
विशाखापटनम-530003।
- (5) प्रोफेसर एच० सी० खरे,
प्रोफेसर गणित,
गणित एवं सांख्यिकीय विभाग,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय,
इलाहाबाद-211002।
- (6) डा० सनत विश्वाम,
पी-19, पुराना वाली गंज रोड,
कलकत्ता-700019।
- (7) प्रोफेसर बी० सर्वेश्वरराव,
प्रोफेसर अर्थशास्त्र,
ग्राम्प्रादेश विश्वविद्यालय,
वाल्तेयर,
विशाखापटनम-530003 (ग्रा० प्र०)।

- (8) ग्यायमूर्ति एम० एच० बेग,
अध्यक्ष, ग्राम्प्रादेशिक आयोग,
लोक नायक भवन,
5वां तल, खान मार्केट,
नई दिल्ली-110003।
- (9) ग्यायमूर्ति शंकर प्रसाद मिश्र,
6 कूपर स्ट्रीट,
कलकत्ता-700026।
- (10) ग्यायमूर्ति एस० डी० प्रमोद,
इलाहाबाद उच्च न्यायालय,
इलाहाबाद।
- (11) डा० हरबंस राय बच्चन,
बी-8, गुलमोहर पार्क,
नई दिल्ली-110049।
- (12) श्रीमती श्रीमती बनर्जी,
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष,
ग्राम्प्रादेश विभाग,
जादवपुर विश्वविद्यालय,
कलकत्ता-700032।
- (13) डा० बी० डी० नाग चौधरी,
43-ए बीरेन राय रोड ईस्ट,
कलकत्ता-700008।
- (14) निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक आयोजना एवं प्रशासन, संस्थान,
17-बी, श्री अरविंद मार्ग,
नई दिल्ली-110016।
- (15) ग्यायमूर्ति एस० ए० मसूद,
15, नसीरुद्दीन रोड,
कलकत्ता-700017।
- (16) डा० पी० एल० मल्होत्रा,
निदेशक,
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान,
एवं प्रशिक्षण परिषद,
श्री अरविंद मार्ग,
नई दिल्ली-110016।
- (17) प्रोफेसर जयेंद्र कुमार भानु जी याज्ञनिक,
प्रोफेसर वर्णनशास्त्र,
गुजरात विश्वविद्यालय,
अहमदाबाद-380009 (गुजरात)।
- (18) प्रोफेसर कृष्ण जी,
14-बी, बैंक रोड,
इलाहाबाद-211002।
- (19) प्रोफेसर (श्रीमती) सुमा चिटनिस,
टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान,
देवनार, पोस्ट बाक्स सं० 8313,
बम्बई-400088।
- (20) डा० (कुमारी) सरोजिनी बार्शने,
मया डी-5
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,
वाराणसी-221005।
- (21) प्रोफेसर टी० डी० प्रसाद,
प्रोफेसर
गजेन्द्र मेडिकल कालेज,
रोन्ही।

(22) प्रोफेसर आर० के० मिश्र,
जीव-भौतिकी विभाग,
प्रबल भारतीय प्रायुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली-110029।

(23) प्रोफेसर संजो चौधरी,
दिल्ली शहरी कला आयोग
लोक नायक भवन (द्वितीय तल),
पृथ्वीराज सेन,
नई दिल्ली-110003।

(24) श्री पी० एम० काबाबिया,
9-बी, "गिरिराज",
प्रैक्टिसाकंट रोड,
बम्बई-400026।

3(ग) संस्थान के प्रतिनिधि

(2) निदेशक

(2) तत्कालीन सभी फेलो,

(3) तत्कालीन सभी माननीय अतिथि।

नियम 3(ग)(iv) के अनुसार भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, अध्यक्ष प्रोफेसर डी० पी० चट्टोपाध्याय और विश्व भारती के न्याय सि एस० ए० मसूद को सोसायटी का कमजोर अध्यक्ष और उपाध्यक्ष नियुक्त किया जाता है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सामान्यतः सूचना के लिए भारत राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति राज्य सरकारों को भेजी जाए।

जे० डी० गुप्ता, सयुक्त सचिव

ऊर्जा मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1984

आदेश

1. —सौराष्ट्र प्रपट्ट पर 370 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए दिव द्वीप के दक्षिण में एस-12 संरचना के लिए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग को पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस देना।

०. प्रो०-12012/21/84-प्रो० ए० जी० डी०-41—पेट्रोलियम प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के 5 के नियम उपनियम (1) की धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा प्राकृतिक गैस आयोग, तेल भवन, देहरादून जिसको इसके बाद कहा जायेगा, को सौराष्ट्र प्रपट्टीय क्षेत्र में दिव द्वीप के दक्षिण में 12 संरचना के लिए 370 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम की सम्भावना हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस 19-5-84 से 4। अन्वेषण के लिए स्वीकृति देती है।

सके विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची "क" में दिये गये हैं।

...संस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है —

(-) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।

(.) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई खनिज पदार्थ पाये गये तो आयोग पूर्ण व्योरे के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा।

ग) स्वत्व शुल्क (रायल्टी) निम्नलिखित दरों पर ली जायेगी

(i) समस्त अशोधित तेल तथा केसिंग हैड कडम्बेस्ट पर 61/- प्रति भी० टन या ऐसी दर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

(ii) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दर केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होगी।

स्वत्व शुल्क (रायल्टी) की अदायगी, पेट्रोलियम विभाग, नई दिल्ली के बतल तथा लेखा अधिकारी को दी जायेगी।

(घ) आयोग लाइसेंस के अनुसरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गम माह से प्राप्त समस्त अशोधित तेल की मात्रा, केसिंग हैड कडम्बेस्ट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल उचित मूल्य दर्शाने वाला एक पूर्ण उचित विवरण केन्द्रीय सरकार का भेजेगा। यह विवरण संलग्न अनुसूची "ख" में दिये गये प्रपत्र में भरकर देना होगा।

(ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II की आवश्यकता के अनुसार आयोग 6000/- रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

(च) आयोग प्रतिवर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी भाग जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया हो, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी।

1. लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए	4 रु०
2. लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए	20 रु०
3. लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए	100 रु०
4. लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए	200 रु०
5. लाइसेंस के नवीनीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए	300 रु०

(छ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II के उपनियम (3) की प्राधिकृतानुसार आयोग को अन्वेषण लाइसेंस के किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतन्त्रता सरकार को दो माह के नोटिस के बाद होगी।

(ज) केन्द्रीय सरकार की मांग पर उसको तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के अन्तर्गत पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भूवैज्ञानिक आकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से देगा तथा हर छः महीने में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिचालनों व्ययन तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(झ) आयोग समुद्र की तलहटी और/या उसके धरातल पर भाग लगने संबंधी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा भाग बुझाने हेतु हर समय के लिए ऐसे उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और तीसरी पार्टी और या सरकार को उनका सुभावका देगा जितना कि भाग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(ञ) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (नियंत्रण और विकास) अधिनियम 1948 (1948 का 53) और पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के उपबंध लागू होंगे।

(ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक जैसा दस्तावेज भर कर देगा जो अन्वेषण क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।

(ठ) आयोग को अन्वेषण/अन्वेषण कार्य संचालन/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किये गये समुद्र गाम्भीर्यमापीय, तल नमूने, बिजली धारा और चुम्बकीय संबंधी आंकड़े सामान्य तौर पर रखा मंत्रालय/मिसेना मुख्यालय को भेजने चाहिए।

अनुसूची "क"

एस-12 संरचना जिसका क्षेत्रफल 370 वर्ग किलोमीटर (लगभग) है के भौगोलिक निर्देशांक

केंद्र	अक्षांतर	देशांतर
क	20° 20' 45" उत्तर	71° 0', 47" पूर्व
ख	20° 25' 30" उत्तर	71° 12' 40" पूर्व
ग	20° 16' 50" उत्तर	71° 16' 42" पूर्व
घ	20° 12' 30" उत्तर	71° 6' 7" पूर्व

अनुसूची-ख

अशोधित तेल, केसिंग कन्डेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मुख्य सहित मासिक वितरण के लिए पेट्रोलियम अन्वेषक लाइसेंस ।

क्षेत्रफल वर्ग किलो मीटर ।

माह तथा वर्ष

क—अशोधित तेल

कुल प्राप्त किलो लीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टनों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनु-मोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटा-कर प्राप्त मी० टनों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

ख—केसिंग हेड कन्डेन्सेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टनों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टनों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनु-मोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टनों की सं०	टिप्पणी
1	2	3	4	5

क.

ग—प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गये घन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनु-मोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटा-कर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं, श्री— सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस में दी गई सूचना पूर्ण रूप से सत्य और सही है, उसे सही समझने पर मैं शुद्ध अन्तःकरण से सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता

हस्ताक्षर—

दिनांक 4 सितम्बर 1984

आदेश

विषय : महानदी आप्रेशन के अपतटीय उत्तर-पूर्वी तट विस्तार और खाड़ी अन्वेषण परियोजना के लिए 16,200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए आयल इंडिया लि० की पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की स्वीकृति।

सं० एमो-12012/33/83--प्रोड० 1 दिनांक 18-11-83 के आदेश सं० एमो-12012/83/33/3--प्रोड० का अधिनियम भारत द्वारा और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम 1959 के नियम 5 के उपनियम (1) के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा अकल इंडिया लि० (जिसको इसके बाद एमो० प्रोड० एल० कहा जायेगा) को महानदी आप्रेशन खाड़ी अन्वेषण परियोजना के अपतटीय उत्तर-पूर्वी तट विस्तार के लिए 16,200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की सम्भावना के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस जो इस आदेश के जारी होने की तिथि अथवा भूकम्पीय सर्वेक्षण आप्रेशनों के चालू किये जाने की तिथि इनमें से जो भी पहले हो, से एक वर्ष के लिए देने की स्वीकृति देती है। क्षेत्र का विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची "क" में दिये गये हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है —

- (क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।
- (ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई खनिज पदार्थ पाये गये तो प्रायोगिक पूर्ण व्योरे के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा।
- (ग) स्वत्व शुल्क (रायल्टी) निम्नलिखित दरों पर ली जायेगी :
 - (i) समस्त अशोधित तेल तथा केसिंग हैड कन्वेंसेंट पर 61 रुपये प्रति मी० टन या ऐसी दर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।
 - (ii) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दर केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होगी।
 - (iii) स्वत्व शुल्क (रायल्टी) की अदायगी, पेट्रोलियम, विभाग, नई दिल्ली के बेटन तथा लेखा अधिकारी को दी जायेगी।
- (घ) आयल इंडिया लिमिटेड लाइसेंस के अनुसरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गन साइ से प्रान्त समस्त अशोधित तेल की मात्रा, केसिंग हैड कन्वेंसेंट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल उचित मूल्य दर्शाने वाला एक पूर्व तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। यह विवरण संलग्न अनुसूची "ख" में दिये गये प्रपत्र में भरकर देना होगा।
- (ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II की आवश्यकता के अनुसार आयल इंडिया लिमिटेड ने 6000 रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

(च) आयल इंडिया लिमिटेड प्रतिवर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी अंश जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया हो, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी :

1. लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए	4 रु०
2. लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए	20 रु०
3. लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए	100 रु०
4. लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए	200 रु०
5. लाइसेंस के तवीनीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए	300 रु०।

(छ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II के उपनियम (3) की आवश्यकतानुसार आयल इंडिया लिमिटेड की अन्वेषण लाइसेंस के किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतन्त्रता सरकार को दो माह के नोटिस के बाद होगी।

(ज) आयल इंडिया लिमिटेड केन्द्रीय सरकार की मांग पर उसको तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण अन्तर्गत पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भूवैज्ञानिक आंकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से देगा तथा हर छः महीने में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिचालनों व्यय तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(झ) आयल इंडिया लि० समुद्र की तलहटी और/या उसके धरातल पर आग लगने संबंधी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए ऐसे उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और सीमरी पार्टी और/या सरकार को उसका मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(ञ) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (नियंत्रण और विकास) अधिनियम 1948 (1948 का 53) और पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम 1959 के उपबन्ध लागू होंगे।

(ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में लि० आयल इंडिया लि० केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक जैसा दस्तावेज भर कर देगा जो अपतटीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।

(ठ) आयल इंडिया लि० द्वारा खुदाई/अन्वेषण आप्रेशनों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किये गये बायी मिट्टिक, सतही नमूने, धारा और भूकम्पीय आंकड़े सामान्य रूप से रक्षा मंत्रालय/ नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करने चाहिए।

(भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर)।

विनय बसल, निदेशक

अनुसूची "क"

विन्दुओं का समन्वय

	रेखांश		अक्षांश	
"ए"	.	.	21° 36"	87° 28"
"बी"	.	.	21° 26"	87° 54"
"सी"	.	.	20° 59"	87° 48"
"डी"	.	.	20° 51"	88° 18"
"ई"	.	.	20° 00"	88° 00'
"एफ"	.	.	20° 07"	87° 22"
"जी"	.	.	20° -01-30"	86° -51'-15"
"एच"	.	.	21° 35"	87° 28"

अनुसूची "ख"

अशोधित तेल, केसिंग कन्वेन्सिट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक वितरण।

बम्बई अपतटय बेसिन क्षेत्र में बी-48 और बी-46 संरचना के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस

क्षेत्रफल 438 वर्ग किलोमीटर

माह तथा वर्ष

क—अशोधित तेल

कुल प्राप्त किलो लीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जला- शय को लौटाये किलो लीटरों की सं०	केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये लीटरों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त किलो लीटरों की सं०	टिप्पणी
1	2	3	4	5

ख—केसिंग हैड कन्वेन्सिट

प्राप्त किये गये कुल किलो लीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जला- शय को लौटाये किलो लीटरों की संख्या	केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये किलो लीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त किलो लीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

ग—प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गये घन मीटरों की संख्या	केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं, श्री— सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्ण रूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध अस्त-करणों से सत्य निष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर—

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर।

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त, 1984

संकल्प

सं० हिन्दी/समिति/83/38/5—रेल मंत्रालय, (रेलवे बोर्ड)

3-10-1983 के समसंख्यक संकल्प के अन्तर्गत क्रम सं० 13 और 14 पर संसदीय राजभाषा समिति के प्रतिनिधि के रूप में रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति में मनोनीत सदस्य सश्री योगेश्वर शर्मा और गणपत हीराखल भगत जब तक कि संसदीय राजभाषा समिति के सदस्य नहीं रहे हैं, अतः रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति की उनकी सदस्यता भी समाप्त हो गयी है।

उपयुक्त संकल्प के अन्तर्गत ही क्रम सं० 19 पर उल्लिखित सदस्य श्रीमति बीना दुग्गल, 51/2, शिवाजी मार्ग, लखनऊ, विधायिका के रूप में निर्वाचित हो जाने पर, रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति की गैर-सरकारी सूची नहीं रही है।

प्रादेश

यह प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोकसभा तथा राज्य सभा सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेज दी जाये।

यह भी प्रादेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

प्रजय चौहरी,

सचिव, रेलवे बोर्ड एवं

भारत सरकार के पवन संयुक्त सचिव

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1984

संकल्प

सं० ई०-11016/4/82-हि० ए०/रा० भा० बी०—श्रम मंत्रालय के तारीख 28 मई, 1982 के संकल्प संख्या ई-1016/9/80-हि० ए० के क्रम में भारत सरकार ने श्री जगन्नाथ राव जोशी के स्थान पर डा० महावीर प्रसाद, संसद सदस्य (राज्य सभा) को संसदीय राजभाषा समिति के प्रतिनिधि के रूप में श्रम और पुनर्वास मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य नामित करने का निर्णय किया है।

प्रादेश

प्रादेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताव की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोकसभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना विभाग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों एवं श्रम विभाग के सभी कार्यालयों जिनमें स्वायत्त तथा अर्द्ध-स्वायत्त निकाय भी शामिल हैं, को भेजी जाए।

यह भी प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

करनैल, सिंह, संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 18th September 1984

No. 100-Pres.[84.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of Uttar Pradesh Police :—

name and rank of the officers

Shri Mangal Singh Tomar,
Deputy Supdt. of Police,
Jalaun (UP).
Shri Karanvir Singh,
Sub-Inspector of Police,
P. S. Rampura,
Jalaun (UP).

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 17th May, 1980, Shri Mangal Singh Tomar, Deputy Supdt. of Police, was informed by Shri Karanvir Singh, Sub-Inspector of Police about the assembly of notorious gangsters Madho Singh and Bharat at Jagammanpur with a view to commit a dacoity in a nearby village. Shri Tomar immediately organised a police party consisting of 1 Sub-Inspector, 1 Assistant Sub-Inspector, 1 Havildar and 8 Constables and reached there at about 11.30 p.m.

On the 17th May, 1980, Shri Mangal Singh Tomar, Deputy Supdt. of Police, was informed by Shri Karanvir Singh, Sub-Inspector of Police about the assembly of notorious gangsters Madho Singh and Bharat at Jagammanpur with a view to commit a dacoity in a nearby village. Shri Tomar immediately organised a police party consisting of 1 Sub-Inspector, 1 Assistant Sub-Inspector, 1 Havildar and 8 Constables and reached there at about 11.30 p.m.

On the 17th May, 1980, Shri Mangal Singh Tomar, Deputy Supdt. of Police, was informed by Shri Karanvir Singh, Sub-Inspector of Police about the assembly of notorious gangsters Madho Singh and Bharat at Jagammanpur with a view to commit a dacoity in a nearby village. Shri Tomar immediately organised a police party consisting of 1 Sub-Inspector, 1 Assistant Sub-Inspector, 1 Havildar and 8 Constables and reached there at about 11.30 p.m.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 17th May, 1980.

No. 101-Pres.[84.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Nagaland Police :—

Name and rank of the officer

Shri Nkhao Lotha,
Inspector of Police,
P. S. Dimapur,
Kohima.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 18th October, 1982, at about 9.30 p.m., Shri Nkhao Lotha, Inspector, received information that accused Kethozelie Angami was taking shelter at United village under Dimapur Sub-Division. The culprit was evading police arrest since he had shot at one woman on the 14th October, 1982, at Kohima Town who later died. Inspector Lotha immediately organised a police party consisting of 1 Sub-Inspector, 1 Assistant Sub-Inspector, 1 Havildar and 8 Constables and reached there at about 11.30 p.m.

After cordoning off the house where the accused was hiding, Inspector Lotha himself went to the door and ordered the inmates of the house to open the door. At this accused Angami himself opened the door and fired with a revolver aiming at the chest of Inspector Lotha from a distance of about only two feet. However, Inspector Lotha escaped unhurt as the revolver misfired. In spite of the fact that the assailant was holding a loaded revolver and aimed at him from a very close quarter, Inspector Lotha without any hesitation and with great courage, jumped at the culprit and grappled with him at a great risk of his personal life. During the course of struggle, the said assailant fired once again aiming at the head of Inspector Lotha. This time the revolver did not misfire and the bullet went through his beret cap singeing his hair but fortunately missing his skull. In spite of being shot for the second time, Inspector Lotha did not leave the assailant and went on grappling and struggling with him. When other police officers came to his help he managed to disarm the culprit and effected his arrest.

In this encounter, Shri Nkhao Lotha, Inspector, exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5 with effect from the 18th October, 1982.

No. 102-Pres.84.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Bihar Police :—

Name and rank of the officer

Shri Ashok Kumar Sinha,
Sub-Inspector of Police,
Chenari, Bihar.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 3rd December, 1980, at Midnight, Shri Ashok Kumar Sinha, Sub-Inspector of Police, Chenari, Bihar, received information about the assemblage of the notorious gang of Nanhku Sharma and Mohan Bind at village Bhurkura for committing dacoity. Immediately Shri Sinha collected the available armed force consisting of 22 police personnel. He hired a Mini Bus which took them upto village Ugahni in Chenari. Thereafter, they walked upto Bhurkura which is on the top of the hill. The police party reached there at 3.30 AM on the 4th December, 1980.

Shri Ashok Kumar Sinha divided the police force into two parties. The two Assistant Sub-Inspectors led the first party and the other was led by Shri Sinha himself. The first party was deployed along with North-Western edge of the village with the instructions to locate the assemblage of criminals and arrest them. Shri Sinha led his party alongwith South-Eastern edge of the village. Sensing the arrival of the Police party, the criminals fired two L.G. shots at them. Shri Sinha, unmindful of his personal safety, challenged the criminals and also directed his men to charge at them. The exchange of fire between the Police party and the criminals lasted for about 30 minutes. Finding that the criminals were bent upon settling the score with the Police party, Shri Sinha led his men courageously and ordered for heavy and effective firing which led to the death of three of the criminals. Some of the dacoits were also injured, who managed to escape in the thick jungle. Two guns and one country made pistol alongwith 28 fired cartridges and 19 live cartridges were found by the side of the dead bodies. Thus the entire gang of the criminals was liquidated.

In this encounter Shri Ashok Kumar Sinha, Sub-Inspector, exhibited conspicuous gallantry, courage, leadership and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 3rd December, 1980.

S. NILAKANTAN, Deputy Secy.
to the President

PLANNING COMMISSION

New Delhi-110 001, the 25th August 1984

RESOLUTION

No. E-11015/17/83-Hindi.—In supersession of the Planning Ministry Resolution No. E-11015/3/80-Hindi, amended from time to time, the Government of India have decided to reconstitute the Hindi Salahkar Samiti of the Planning Ministry. The composition, functions etc. of the Samiti will be as follows :

Composition

1. Minister of Planning—Chairman.

Two MPs from Lok Sabha

2. Sh. Chandra Bhan Athare Patil—Member.
3. Sh. B. K. Nayar—Member.

Two MPs from Rajya Sabha

4. Shri K. P. Shukla—Member.
5. Shri Suraj Prasad—Member.

Two MPs. from Parliamentary Committee on Official Language

6. } To be nominated—Member.
7. }

Representatives from Voluntary Organisations

Members :

8. President,
Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad,
New Delhi.
9. Smt. Shanta Behn Makwana,
Member, Gujarat Vidhan Sabha,
"Dwarkeshe",
12-Hemant Kunj Society, Paladi,
Ahmedabad-380 007, Gujarat.
10. Shri Krishan Dutt, Hindi Writer,
1-8-700/6, Padam Nagar,
Nala Kunta, Hyderabad.
11. Shri Ganga Sharan Singh,
President,
Akhil Bhartiya Hindi Sansatha Sangh,
Delhi.
12. Dr. Dharamvir Bharti,
Editor,
Dharmayug, Times of India, V.T.,
Bombay.
13. Shri Anand Jain, Editor,
Sandhya Times,
7, Bahadurshah Zafar Marg,
New Delhi.
14. Dr. Mahavir Adhikari,
Karim Manor, 2nd Floor,
Ovendunn Road Kamdevi,
Bombay.
15. Shri Shiv Kumar Vats,
Vikram University,
Ujjain.
16. Shri Yugal Kishore Chuturvedi,
Executive President,
Rajasthan Hindi Sahitya Sammelan,
Jaipur.
17. Shri Bhagwati Sharan Singh,
Retd. Education Secretary & Writer,
B-22, Sector-A, Mahanagar,
Lucknow.
18. Shri Mukul Chand Pandey,
General Secretary,
Hindi Vyavhar Sangathan,
10/2, Triveni Nagar,
Lucknow.
19. Shri Ram Sahai Pandey,
141, Jai Raj House, Colaba,
Bombay-5.

Officials :

20. Secretary,
Planning Commission,
New Delhi.
21. Secretary,
Deptt. of Statistics,
New Delhi.
22. Secretary,
Deptt. of Official Language &
Hindi Adviser to the Government of India.
23. Adviser (Administration),
Planning Commission,
24. Adviser (Plan Coordination),
Planning Commission.
25. Director General,
Central Statistical Organisation.

26. Joint Secretary (State Plans),
Planning Commission.
27. Chief Executive Officer,
National Sample Survey Organisation.
28. Joint Secretary,
Deptt. of Official Language.
29. Director (Administration),
Planning Commission.

Member-Secretary :

30. Senior Hindi Officer,
Planning Commission.

II. Functions

The Samiti will advise the Ministry of Planning on matters relating to progressive use of Hindi for official purposes and allied issues.

III. Tenure

The term of the Samiti will be three years from the date of its composition provided that :—

- (a) a member, who is a Member of Parliament, ceases to be a Member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament;
- (b) Ex-officio members of the Samiti shall continue as members so long as they hold the office by virtue of which they are members of the Samiti;
- (c) if a vacancy arises on the Samiti due to the death or resignation of any member, the member appointed in that capacity shall hold office for the residual term.

IV. General

- (i) The Samiti may nominate additional members as co-opted members and invite experts to attend its meetings as may be considered necessary.
- (i) The Headquarter of the Samiti shall be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

1. Travelling and other Allowances

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Samiti at the fixed by Government of India from time to time.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all the members of the Samiti, all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and all the Ministries/Departments of Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. C. AGARWAL, Director (Administration)

DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

New Delhi, the 1st August 1984

RESOLUTION

No. F.2(2)/84-Hindi.—In continuation of Department of Parliamentary Affairs' resolution of even number dated 18th May, 1984, the Government of India hereby nominate Sh. ukul Chand Pandey, 2/10, Triveni Nagar, Sitapur Road, now as a non-official member of the Hindi Advisory Committee of the Department of Parliamentary Affairs.

ORDER

It is ordered that a copy of this Resolution may be forwarded to all State Governments and Union Territories Administrators. All Ministries and Department of the Government of India, Presidents Sectt. Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, Parliamentary Committee

on Official Languages, Comptroller and Auditor General of India and Pay and Accounts Officer, Department of Cabinet Affairs, New Delhi.

It is also ordered that this Resolution may be published in the Gazette of India for information of the public.

D. R. TIWARI, Dy. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION & CULTURE

(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 14th August 1984

RESOLUTION

No. F. 6-22/84-U.3.—In supersession of this Ministry's Resolution No. F. 6-17/82-U-3, dated the 4th May, 1984, it has been decided to reconstitute the Society of the Indian Institute of Advanced Study in terms of Rule 3 of the Rules and Regulations of the Society. The composition of the Society would be as under :—

3(a) Institutional Members (Ex-officio)

- (1) Education Secretary.
- (2) Expenditure Secretary.
- (3) Special Secretary in charge of Higher Education.
- (4) Chairman, University Grants Commission.
- (5) Director-General, Council of Scientific and Industrial Research.
- (6) Chairman of the Indian Council of Social Science Research
- (7) Chairman of the Indian Council of Historical Research.
- (8) Chairman of the Indian Council of Philosophical Research.
- (9) Chairman, National Book Trust.
- (10) Chairman, Sahitya Akademi.
- (11) Chairman, Sangeet Natak Akademi.
- (12) Chairman, Lalit Kala Akademi.
- (13) Chairman, Indian National Science Akademi.
- (14) One of the Vice-Presidents of the Indian Council for Cultural Relations.
- (15) Chairman of the Association of Indian Universities.
- (16) Director, National Library.
- (17) Director, National Archives.

3(b) Nominated Members

- (i) Six Vice-Chancellors of Indian Universities nominated by the Central Government.

- (1) Prof. R. S. Mishra,
Vice-Chancellor,
Lucknow University.
Lucknow-226007.
- (2) Dr. G. P. Sinha,
Vice-Chancellor,
Patna University,
Patna-800005.
- (3) Prof. G. Ram Reddy,
Vice-Chancellor,
Andhra Pradesh Open University,
Hyderabad-500004 (A.P.).
- (4) Dr. Ramesh Mohan,
Director,
Central Institute of English
and Foreign Languages,
Hyderabad-500007.
- (5) Vacant.
- (6) Vacant.

- (ii) 18-24 Educationists nominated by the Central Government.

- (1) Prof. Gautam Mathur,
Director,
Institute of Applied Manpower Research,
Indraprastha Estate, Ring Road,
New Delhi-110002.

- (2) Dr. (Mrs.) Margaret Chatterjee,
Professor of Philosophy,
Delhi University,
Delhi-110007.
- (3) Prof. Rawinder Kumar,
Director,
Nehru Memorial Museum and Library,
Teenmurti House,
New Delhi-110011.
- (4) Prof. K. Satchidananda Murthy,
Professor of Philosophy,
Andhra University, 'Andhra Cottage'
Waltair,
Visakhapatnam-530003.
- (5) Prof. H. C. Khare,
Professor of Mathematics,
Department of Mathematics and Statistics,
Allahabad University,
Allahabad-211002.
- (6) Dr. Sanat Biswas,
P-19, Old Ballyganj Road,
Calcutta-700019.
- (7) Prof. B. Sarweswara Rao,
Professor of Economics,
Andhra University,
Waltair,
Visakhapatnam-530003 (A.P.).
- (8) Justice M. H. Beg,
Chairman,
Minorities Commission,
Lok Nayak Bhavan,
5th Floor, Khan Market,
New Delhi-110003.
- (9) Justice Sankar Prasad Mitra,
5, Cooper Street,
Calcutta-700026.
- (10) Justice S. D. Agarwala,
Allahabad High Court,
Allahabad.
- (11) Dr. Harbans Rai Bachchan,
B-8, Gulmohar Park,
New Delhi-110049.
- (12) Mrs. Anita Banerji,
Professor and Head of the
Department of Economics,
Jadavpur University,
Calcutta-700032.
- (13) Dr. B. D. Nagchaudhuri,
43-A, Biren Ray Road Est.,
Calcutta-700008.
- (14) Director,
National Institute of Educational,
Planning and Administration,
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016.
- (15) Justice S. A. Masood,
15, Naseeruddui Road,
Calcutta-700017.
- (16) Dr. P. L. Malhotra,
Director,
National Council of Educational
Research and Training,
Shri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016.
- (17) Prof. Jayendra Kumar Anand Ji Yajnik,
Professor of Philosophy,
Gujarat University,
Ahmedabad-380009 (Gujarat).
- (18) Prof. Krishnaji,
14-B, Bank Road,
Allahabad-221002.
- (19) Prof. (Mrs.) Suma Chitnis,
Tata Institute of Social Sciences,
Deonar, Post Box No. 8313,
Bombay-400088.

- (20) Dr. (Miss) Sarojini Varshney,
New D/5,
Banaras Hindu University,
Varanasi-221005.
- (21) Prof. T. B. Prasad,
Professor,
Rajendra Medical College,
Ranchi.
- (22) Prof. R. K. Mishra,
Department of Biophysics,
All India Institute of Medical Sciences,
New Delhi-110029.
- (23) Prof. Sankho Chaudhuri,
Delhi Urban Art Commission,
Lok Nayak Bhavan (2nd Floor),
Prithvi Raj Lane,
New Delhi-110003.
- (24) Shri P. M. Kavadia,
9-B, "Giriraj",
Altamount Road,
Bombay-400026.

3(c) *Representatives of the Institute :*

- (1) Director
- (2) All Fellows for the time being in Position.
- (3) All Distinguished guests for the time being in Position.

In terms of rule 3 (c) (iv), Prof. D. P. Chattopadhyaya, Chairman, Indian Council of Philosophical Research, and Justice S. A. Masood of Visva Bharati, are nominated as President and Vice-President of the Society, respectively.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ORDERED also that a copy of the Resolution may be sent to State Governments.

J. D. GUPTA, Jt. Secy.

MINISTRY OF ENERGY

(DEPARTMENT OF PETROLEUM)

New Delhi, the 3rd September 1984

ORDER

SUBJECT : Grant of Petroleum Exploration Licence for S-12 structure South of Diu Island in Saurashtra Offshore area measuring 370 Sq. Kms. to ONGC.

No. O-12012/21/84-ONGD4.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-rule (1) of rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhavan, Dehradun (hereinafter referred to as Commission, a Petroleum Exploration Licence to Prospect for Petroleum for four years from 19-5-1984 for S-12 structure South of Diu Island in Saurashtra offshore area measuring 370 Sq. Kms. the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The Grant of Licence is subject to the terms and conditions mentioned below.

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rates mentioned below shall be charged.
 - (i) Rs. 61/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing head condensate.

- (ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay & Accounts officer, Department of Petroleum, New Delhi.

- (d) The Commission shall, within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing head condensate and natural gas obtained during the proceeding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.

- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 6000/- as security as required by rule 11 of the PNG Rules, 1959.

- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square Kilometer or part thereof covered by the licence.

- (i) Rs. 4/- for the first year of the licence;
(ii) Rs. 20/- for the second year of the licence;
(iii) Rs. 100/- for the third year of the licence;
(iv) Rs. 200/- for the fourth year of the licence;
(v) Rs. 300/- for the first and second year of renewal.

- (g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month's notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.

- (h) The Commission shall immediately on demand submit to the Central Government confidentially a full report of the geological data of all the minerals

found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.

- (i) The Commission shall take preventive measures against the hazard of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.

- (j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules 1959.

- (k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.

- (l) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence/Naval Headquarters in the usual manner.

SCHEDULE 'A'

Geographical Coordinates of S-12 structure measuring the area 370 Sq. Kms (approx.)

Point	Lat.	Long.
A	20° 20' 45" N	71° 0' 47" E
B	20° 25' 20" N	71° 12' 40" E
C	20° 16' 50" N	71° 16' 42" E
D	20° 12' 30" N	71° 6' 7" E

SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof.

Petroleum Exploration Licence for
Area
Month and Year

A. Crude Oil

Total No. of Metric Tonnes obtained.	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir.	No. of Metric Tonnes used for purpose of petroleum exploration operation approved by the Central Government.	No. of Metric tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

B. Casing head condensate

Total number of Metric tonnes obtained.	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir.	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Govt.	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3.	Remarks
1	2	3	4	5

C. Natural Gas

Total number of cubic metres obtained.	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government.	Number of cubic metres obtained less columns 2 and 3.	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri _____ do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this turn is true and correct in every particular and make this solemn declaration conscientiously believing the same to be true.

By order in the name of the President of India.

(Signature)

The 4th September 1984

ORDER

SUBJECT : Grant of Petroleum Exploration Licence for Off-shore North East Coast Extension of the Mahanadi operation, Bay exploration Project, Oil India Ltd. (area measuring 16,200 sq. kms.)

No. O-12012/33/83-Prod.—In supersession of order No. O-12012/33/83-Prod dt. 16-11-83 and in exercise of the power conferred by clause (i) of sub-rule (1) of rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil India Ltd. (hereinafter referred to as OIL) a Petroleum Exploration Licence to prospect for petroleum for one year from the date of issue of this order or the date of commencement of Seismic Survey operations whichever is earlier for an area measuring 16,200 Sq. Kms in offshore North East Coast Extension of Mahanadi operation Bay Exploration Project of OIL. The particulars of the area are given in schedule 'A' annexed hereto.

The Grant of Licence is subject to the terms and conditions mentioned below.

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, OIL should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rates mentioned below shall be charged.
 - (i) Rs. 61/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing head condensate.
 - (ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay & Accounts officer, Department of Petroleum, New Delhi.

- (d) The OIL shall, within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.

- (e) The OIL have deposited a sum of Rs. 6000/- as security as required by rule 11 of the PNG Rules, 1959.
- (f) The OIL shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square Kilometer or part thereof covered by the licence.
 - (i) Rs. 4/- for the first year of the licence;
 - (ii) Rs. 20/- for the second year of the licence;
 - (iii) Rs. 100/- for the third year of the licence;
 - (iv) Rs. 200/- for the fourth year of the licence;
 - (v) Rs. 300/- for the first and second year of renewal.
- (g) The OIL shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month's notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.
- (h) The OIL shall immediately on demand submit to the Central Government confidentially a full report of the geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.
- (i) The OIL shall take preventive measures against the hazard of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.
- (j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules 1959.
- (k) The OIL shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.
- (l) The OIL should render, Bathymetric, bottom samples Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence/Naval Headquarters in the usual manner.

COORDINATE OF POINTS

	Latitude	Longitude
A.	21° 36'	87° 28'
B.	21° 26'	87° 54'
C.	20° 59'	87° 48'
D.	20° 51'	88° 18'
E.	20° 00'	88° 00'
F.	20° 05'	87° 22'
G.	21°—01'—30"	86°—51'—15"
H.	21° 36'	87° 28'

SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof,

Petroleum Exploration Licence for

Area
Month and Year

A.—Crude Oil

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

B.—Casing head condensate

Total number of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 & 3	Remarks
1	2	3	4	5

C.—Natural Gas

Total number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purposes of petro- leum exploration approved by the Central Govern- ment	Number of cubic metres obtained less columns 2 & 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri _____ do hereby solemnly and sincerely declare
and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this solemn declaration conscientiously
believing the same to be true.

(Signature)

By order in the name of the President of India,

P. K. RAJAGOPALAN, Desk Officer

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 14th August 1984

RESOLUTION

No. Hindi/Samiti/83/38/5.—Since S/Shri Yogendra Sharma and Ganapati Hiralal Bhagat nominated in Railway Hindi Salahkar Samiti as representatives of Parliamentary Committee on Official Languages vide S. No. 13 and 14 of Ministry of Railways (Railway Board)'s Resolution of even number dated 3-10-83 cease to be the members of Parliamentary Committee on Official Languages, they also cease to be the members of Railway Hindi Salahkar Samiti.

Also Smt. Veena Duggal, 51/2 Shivaji Marg, Lucknow, nominated as non-official member of Railway Hindi Salahkar Samiti vide Sl. No. 19 of the Resolution referred to above ceases to be a member of Railway Hindi Salahkar Samiti consequent upon her having been elected as a legislator.

ORDER

ORDERED that a copy of this resolution be communicated to the Prime Minister's office, Cabinet Sectt., Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Sectts. and Ministries and Departments of Government of India.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

AJAY JOHRI
Secretary, Railway Board &
Ex-officio Jt. Secy.
to the Government of India

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION
(DEPARTMENT OF LABOUR)

New Delhi, the 4th September 1984

RESOLUTION

No. F-11016/4/83-H.U./Rajbhasha Niti.—In continuation of Ministry of Labour's Resolution No. E-11016/9/80-H.U. dated the 28th May, 1982, the Government of India have decided to nominate Dr. Mahabir Prasad, M.P. (Rajya Sabha) as Member of the Hindi Salahkar Samiti of the Ministry of

Labour & Rehabilitation, to represent Parliamentary Committee on Official Language, in place of Shri Jagannath Rao Joshi.

ORDER

ORDERED that a copy of this resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat,

Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General, Central Revenues and all Ministries and Departments of the Government of India and all offices of the Department of Labour including Autonomous and Semi-Autonomous Bodies.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

KARNAIL SINGH, Joint Secy.